SAMPLE QUESTION PAPER - 4
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

चीन के महान दार्शनिक संत ताओ बू बीन के पास चुंगसिन नामक एक व्यक्ति पहुँचा, उसने उनसे धर्म की शिक्षा देने की प्रार्थना की, संत ताओ बू ने उस व्यक्ति को कुछ समय तक अपने पास रखा और उसे दीन-दुखियों की सेवा में लगा दिया, कुछ समय बाद चुंगसिन ने संतजी से निवेदन किया, "महाराज इतने दिन हो गए, आपने मुझे धर्म की शिक्षा नहीं दी, संत ने कहा, "तेरा तो जीवन ही धर्ममय हो गया है, फिर मैं धर्म के विषय में तुझे क्या बताता? तू अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता है, तुझसे बड़ा धार्मिक कौन होगा?" चुंगसिन समझ गया, आप भी समझ गए होंगे कि कर्तव्य का पालन ही जीवन में सर्वोपरि है, चाहें तो हम उसे मानव का परम धर्म कह सकते हैं।

हमारे युवा पाठकों में प्रायः प्रत्येक किसी-न-किसी परीक्षा के लिए तैयारी का संकल्प करते है। क्या आप में प्रत्येक को विश्वास है कि वह पूरी निष्ठा के साथ परीक्षा या प्रतियोगिता के संदर्भ में अपने कर्तव्य का पालन कर रहा/रही है? परीक्षा की तैयारी के अतिरिक्त आपके लिए अन्य कोई कार्यक्रम महत्त्व नहीं रखता है, कुछ ऐसे छात्र-छात्राएं देखने में आते हैं जो घर से पढ़ने के लिए कॉलेज आते हैं परन्तु वे कक्षाओं में न जाकर मटरगश्ती करते हैं, अथवा कैण्टीन में बैठकर दोस्तों के साथ बातें करते हैं। तब क्या वे अपने कर्तव्य की अवहेलना, एवं माता-पिता के साथ विश्वासघात नहीं करते हैं? हम चाहते हैं कि हमारे युवा पाठक शांत चित्त से विचार करके देखें कि वे उक्त श्रेणी के अनुत्तरदायी वर्ग के अन्तर्गत तो नहीं आते हैं, परीक्षा एवं प्रतियोगिता में असफल होने के मूल में प्रायः हमारे युवावर्ग द्वारा पूरी तरह से अपने कर्तव्य का पालन न करना होता है, वे यदि अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा के साथ करें, तो हम पूरी दृढ़ता के साथ कह सकते हैं कि उनकी सफलता की संभावनाएँ कई गुना बढ़ जाएँगी।

कर्तव्य-पालन के संदर्भ में यह नहीं सोचना चाहिए कि यदि सफलता नहीं मिलती है, तो क्या होगा? कर्तव्य-पालन को लक्ष्य करके हमारे मन-मस्तिष्क में एक ही विचार रहना चाहिए कि मैं इसका सम्यक निर्वाह एवं पालन किस प्रकार कर सकता हूँ?

1. ताओ ने चुंगसिन को सबसे बड़ा धार्मिक क्यों कहा? (1)
   (क) क्योंकि चुंगसिन पहले से ही धार्मिक था।
   (ख) क्योंकि चुंगसिन कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता था।
   (ग) क्योंकि चुंगसिन आश्रम का सारा काम करता था।
   (घ) क्योंकि चुंगसिन ताओ की सेवा करता था।
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): जीवन में कर्तव्य-पालन ही मानव का परम धर्म है।

कारण (R): कर्तव्य का पालन निष्ठापूर्वक करने से सफलता की संभावनाएँ कई गुना बढ़ जाती हैं।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. मानव का परम धर्म किसे कहा गया है? (1)

(क) दीन-दुखियों की सेवा करना

(ख) गुरु की सेवा करना

(ग) माता पिता का आदर करना

(घ) निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करना

4. कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्ति के चरित्र को निरुत्तर कर देती है। उदाहरण द्वारा उत्तर की पुष्टि कीजिए। (2)

5. क्यों कहा गया है कि कुछ विद्यार्थी माता-पिता के साथ छल करते हैं? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाह्य उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।

अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुँच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है। अत: आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

1. राष्ट्रीय संस्कृति की हमारे प्रति सबसे बड़ी देन क्या है? **(1)**

(क) वह हमें अच्छा नागरिक बनाती है।

(ख) वह हमें देशभक्ति सिखाती है।

(ग) वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा और रीति-नीति से जोड़े रखती है।

(घ) वह हमें दुश्मनों से लड़ना सिखाती है।

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है, जो आज के वैज्ञानिक युग में विदेशी संस्कृति के तत्वों को ग्रहण करने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

कारण (R): विदेशी संस्कृति के अनुकरण से भारतीय संस्कृति की आस्थाएँ डिगने लगी हैं, जो राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचा रही हैं।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. अज्ञान का पर्याय क्या है? **(1)**
   (क) अविवेकी संस्कृति
   (ख) अविवेकी संस्कार
   (ग) अविवेकी ज्ञान
   (घ) अविवेकी अनुकरण
4. आधुनिक युग में संस्कृतियों पर परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए। **(2)**
5. हम अपनी संस्कृति के प्रति शंकालु क्यों हो गए हैं? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **कोई चार** कीजिए। **[4]**
   i. तताँरा **बेहद शांत, सभ्य और भोला** युवक था। रेखांकित पदबंध की पहचान कीजिए।
   ii. क़िस्मत का मारा मैं कनकौआ लूटने दौड़ा चला जा रहा था। वाक्य में **सर्वनाम पदबंध** छाँटिये।
   iii. वह **भागा-भागा** मेले की ओर दौड़ा। रेखांकित पदबंध की पहचान कीजिए।
   iv. वह लाल तेल वाले डॉक्टर शरफुद्दीन का बेटा था। वाक्य में **विशेषण पदबंध** ढूँढ कर लिखिए।
   v. हरिहर काका के भाई चिंता, परेशानी और आश्चर्य से घिर गए। इस वाक्य में **संज्ञा पदबंध** छाँटिये।
4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**
   i. आकाश में बादल होते ही घनघोर वर्षा होने लगी। (संयुक्त वाक्य में)
   ii. वह बगल के कमरे में कुछ बरतन ले आया। तौलिए से बरतन साफ़ किए। (संयुक्त वाक्य में)
   iii. लिखकर अभ्यास करने से कुछ भूल नहीं सकते। (मिश्र वाक्य में)
   iv. सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ऐसे हैं कि जान हथेली पर लिए रहते हैं। (सरल वाक्य में)
   v. भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली। (संयुक्त वाक्य में)
5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**
   i. समास और मुहावरे के बीच क्या भिन्नता है? **[1]**
   ii. 'तत्पुरुष समास' में संज्ञा और विशेषण के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए। **[1]**
   iii. 'मंगलवार' शब्द का समास विग्रह कीजिए और इसके भेद को विस्तार से समझाइए। **[1]**
   iv. 'द्विगु समास' की विशेषताएँ और उदाहरण दीजिए। **[1]**
   v. 'कर्मधारय समास' के भेद और उदाहरण दीजिए। **[1]**
6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**
   i. Fill in the blanks: **[1]**
      ब्राह्मण शेर से बचने के लिए अंत तक ________ रहा। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
   ii. Fill in the blanks: **[1]**
      किसी भी कठिन परिस्थिति से निकलने के लिए हमें ________ पड़ता है। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
   iii. 'दांतों तले अंगुली दबाना' और 'आंखें फटी की फटी रह जाना' में क्या अंतर है? **[1]**
   iv. 'नाक में दम करना' का वाक्य लिखिए। **[1]**
   v. "कड़ी मेहनत के बिना जीवन में कोई मुराद पूरी नहीं होती।" इस पंक्ति में दिए गए मुहावरे को पहचानिए और उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह

आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़ज़ीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

i. लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि टाइम-टेबिल बनाना और उस पर अमल करना अलग-अलग बातें हैं?

क) टाइम-टेबिल बनाना सरल कार्य नहीं है और उस पर अमल करना उससे भी कठिन है।

ख) टाइम-टेबिल तो सब बना लेते हैं लेकिन उसके अनुरूप दिनचर्या निर्वाह सबके बस का नहीं।

ग) टाइम-टेबिल के अनुरूप कार्य करने में बहुत कठिनाई होती है।

घ) टाइम-टेबिल बनाने में पेन ही उठाना होता है अमल करने में मन-मस्तिष्क लगाना होता है।

ii. निम्नलिखित कथन तथा कारण को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: मैदान में पहुँचते ही छोटा भाई सब कुछ भूल जाता।

कारण: खेल का मैदान, वहाँ की हरियाली, हवा और स्वच्छंदता छोटे भाई को अपने आगोश में समेट लेती।

क) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

ख) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

ग) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

घ) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

iii. भाई साहब को छोटे भाई को उपदेश देने का मौका मिल जाता, जब:

क) वह टाइम-टेबिल के अनुसार चलता।

ख) छोटा भाई टाइम-टेबिल बना लेता।

ग) पढ़ाई के लिए बैठता और नहीं पढ़ता।

घ) टाइम-टेबिल-पुस्तकों से मुँह मोड़ लेता।

iv. छोटा भाई अपने बड़े भाई से दूर रहने का प्रयास क्यों करता है?

क) बड़े भाई साहब के फेल होने के कारण

ख) बड़े भाई की डाँट-डपट के कारण

ग) प्रधानाचार्य की शिकायत के कारण

घ) दोनों भाइयों का एक ही कक्षा में होने के कारण

v. गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए:

	स्तंभ-I		स्तंभ-II
1.	सिर पर नंगी तलवार लटकी रहती।	(I)	खेलकूद से प्रेम
2.	नसीहत और फ़ज़ीहत का अवसर मिलता।	(II)	कथानायक
3.	मोह-माया का बंधन	(III)	बड़े भाई साहब

क) 1 - (I), 2 - (II), 3 - (III)

ख) 1 - (I), 2 - (III), 3 - (II)

ग) 1 - (II), 2 - (III), 3 - (I)

घ) 1 - (III), 2 - (II), 3 - (I)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. मोनुमेंट के नीचे सभा क्यों की जा रही थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

ii. गांधीजी आदर्श एवं व्यावहारिकता का समन्वय किस प्रकार करते थे? **गिन्नी का सोना** पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

iii. कारतूस एकांकी के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि सआदत अली जैसे लोगों ने सदैव देश का अहित ही किया है। **[2]**

iv. **तीसरी कसम** फ़िल्म में दुख के भाव को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है? दुख के वीभत्स रुप से यह दुख किस प्रकार भिन्न है? लिखिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

i. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि मृत्यु से नहीं डरना चाहिए?

क) मृत्यु तो अवश्यंभावी है
ख) मृत्यु के बाद नया शरीर मिलता है
ग) जन्म-मरण ईश्वर के हाथ में है
घ) मृत्यु से यश प्राप्त होता है

ii. कवि कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहता है?

क) स्वार्थ सिद्ध करते समय हुई मृत्यु
ख) महान उद्देश्य के लिए मरने वाले की मृत्यु
ग) अपनों के हित प्राप्त होने वाली मृत्यु
घ) बिना किसी पीड़ा के हुई मृत्यु

iii. कैसी मृत्यु व्यर्थ है?

क) दूसरों के लिए संघर्ष करते हुए प्राप्त मृत्यु
ख) जिस मृत्यु को याद न किया जाए
ग) देश हित प्राप्त होने वाली मृत्यु
घ) मृत्यु के बाद जो हमेशा याद रहे

iv. पशु प्रवृत्ति क्या है?

क) अपने लिए जीना-खाना
ख) दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँचाना
ग) दूसरों के लिए जीना-खाना
घ) परोपकार का भाव रखना

v. कौन-सा/से वाक्य पद्यांश से मेल खाता है/खाते हैं?

I. उदार मनुष्य दूसरों के लिए जीता-मरता है।
II. पशु प्रवृत्ति को समझ के साथ अपनाना चाहिए।
III. मनुष्य जीवन की सार्थकता परोपकार में है।
IV. जीवन में कुछ पाने के लिए स्वार्थी होना पड़ता है।

क) I, III
ख) केवल I
ग) II, III
घ) II, IV

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. मीरा अपने आराध्य कृष्ण से क्या विनती करती हैं और उन्हें उनके कर्तव्य का स्मरण करवाने के लिए क्या करती हैं? **[2]**

ii. **सहस्र दृग-सुमन** से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा? **[2]**

iii. **फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है - कर चले हम फिदा** कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्ति में 'इस जश्न' से कवि का क्या आशय है और उसे बाद में मनाने के पीछे क्या कारण है? **[2]**

iv. **आत्मत्राण** कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. हरिहर काका भाइयों पर गुस्सा करके घर से बाहर जा रहे थे, तब उनकी भेंट महंत से हुई और वे उन्हें ठाकुरबारी ले गए। हरिहर काका को ठाकुरबारी ले जाकर महंत ने उनके साथ किस प्रकार का व्यवहार किया? **हरिहर काका** कहानी के आधार पर लिखिए। **[3]**

ii. विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना विकसित करने के लिए कठोर दंड वाली विधि अधिक उपयुक्त है या वर्तमान समय की मनोवैज्ञानिक विधियाँ? **सपनों के-से दिन** पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

iii. **टोपी शुक्ला** कहानी हमें क्या सन्देश देती है? भारतीय समाज के लिए यह कैसे लाभकारी हो सकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **सड़कों को कचरे से बचाओ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत-बिंदु

- हर कोई फेंक रहा कचरा
- सोच बदलने की जरूरत
- स्वच्छता के लिए जागरूकता अपेक्षित

ii. **जनसंख्या नियंत्रण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- जनसंख्या वृद्धि की समस्या
- नियंत्रण की आवश्यकता क्यों
- नियंत्रण कैसे?

iii. **स्वदेशी अपनाओ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत बिंदु: क्या, आवश्यकता क्यों?, देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव, सुझाव

13. आपसे अपने बचत खाते की चैक बुक खो गई है। इस सम्बन्ध में तत्काल उचित कार्यवाही करने के लिए निवेदन करते हुए बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अस्पताल कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

14. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद में नर्सिंग होम के लिए जगह नीलाम करना चाहता है। इसके लिए नीलामी सूचना 25-30 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप अपने विद्यालय में विद्यार्थी परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

15. ज्वैलरी शॉप के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

ए.टी.एम. केंद्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. अपने क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारी (1912@pspcl.in) को विद्युत बिल ठीक कराने के लिए एक ईमेल लिखिए। **[5]**

अथवा

संगति का फल शीर्षक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) क्योंकि चुंगसिन अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करता था इसलिए ताओ ने उसे सबसे बड़ा धार्मिक कहा।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) मानव का परम धर्म है-निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करना।
   4. कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्ति और उसके चरित्र को महान बनाती है। चुंगसिन ने निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन किया इसलिए उसे महान धार्मिक कहा गया।
   5. कुछ विद्यार्थी घर से पढ़ने के लिए कॉलेज आते हैं पर कक्षाओं में न जाकर वे मटरगश्ती करते हैं और इस प्रकार अपने माता-पिता के साथ छल करते हैं।
2. 1. (ग) राष्ट्रीय संस्कृति की हमारे प्रति सबसे बड़ी देन यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा और रीति-नीति से जोड़े रखती है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।
   4. आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण यह है कि भिन्न संस्कृतियों के निकट आने के कारण अतिक्रमण एवं विरोध स्वाभाविक है।
   5. हम अपनी संस्कृति के प्रति शंकालु इसलिए हो गए हैं, क्योंकि नई पीढ़ी ने विदेशी संस्कृति के कुछ तत्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. विशेषण पदबंध
   ii. क़िस्मत का मारा
   iii. क्रिया-विशेषण पदबंध
   iv. लाल तेल वाले
   v. हरिहर काका के भाई
4. i. आकाश में बादल हैं इसीलिए घनघोर वर्षा होने लगी।
   ii. वह बगल के कमरे से कुछ बरतन ले आया और उन्हें तौलिए से साफ़ किया।
   iii. जो लिख कर अभ्यास करते हैं,वे कुछ भूल नहीं सकते।
   iv. सीमा पर लड़ने वाले सैनिक जान हथेली पर लिए रहते हैं।
   v. भाई साहब उछले और पतंग की डोर पकड़ ली।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) समास में दो शब्द मिलकर एक संक्षिप्त अर्थ प्रदान करते हैं, जबकि मुहावरे में शब्दों का समूह एक विशेष भावार्थ व्यक्त करता है।
   - समास: "राजपुत्र" (राजा का पुत्र)।
   - मुहावरा: "राजा की तरह रहना" (ऐश्वर्यपूर्ण जीवन)।

   (ii) तत्पुरुष समास में संज्ञा और विशेषण के बीच संबंध स्पष्ट होता है, जहां पूर्व पद संज्ञा को विशेषता प्रदान करता है।
   उदाहरण: "चंद्रमामा" (चंद्र+मामा) में "चंद्र" संज्ञा है और "मामा" विशेषण है जो चंद्र को संबोधित करता है।

   (iii)'**मंगलवार**' शब्द का समास विग्रह और उसका भेद निम्नलिखित है:
   विग्रह:
   मंगल + **वार**
   यहां:
   - **मंगल** = शुभ, अच्छा
   - **वार** = दिन

   अर्थ: "मंगलवार" शब्द का अर्थ है वह दिन जो मंगल (शुभ) से संबंधित हो, यानी शुभ दिन।
   समास का भेद:
   "मंगलवार" में **तत्पुरुष समास** का प्रयोग हुआ है।
   तत्पुरुष समास वह समास होता है, जिसमें पहले शब्द का गुण या विशेषता दूसरे शब्द में व्यक्त होती है। इस समास में दोनों शब्दों का संबंध इस प्रकार होता है कि पहले शब्द का अर्थ दूसरे शब्द को विशेष रूप से निर्धारित करता है।

   (iv)विशेषताएँ: द्विगु समास में पहला पद किसी संख्या को व्यक्त करता है और दूसरा पद उसे विशेषता प्रदान करता है।
   उदाहरण: "द्वादशपद" (12 पंख) - "द्वादश" (12) और "पद" (पंख) मिलकर यह अर्थ बनाते हैं कि 12 पंख हैं।

   (v)
   - भेद:
     i. वर्णक कर्मधारय: विशेषण के रूप में।
     ii. सामान्य कर्मधारय: सामान्य अर्थ में।

- उदाहरण:
  i. "सत्यवादी" (सत्य + वादी) - सत्य बोलने वाला।
  ii. "दीनदयाल" (दीन + दयाल) - दीनों का दयालु।

6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) हाथ-पाँव मारना
   (ii) एड़ी-चोटी का जोर लगाना
   (iii) दांतों तले अंगुली दबाना: आश्चर्यचकित होना।
   आंखें फटी की फटी रह जाना: किसी दृश्य को देखकर दंग रह जाना।
   (iv) छोटे बच्चे ने पूरे दिन शोर मचाकर मेरी नाक में दम कर दिया।
   (v) मुहावरा: मुराद पूरी होना।
   वाक्य: उसकी वर्षों की तपस्या के बाद आखिर उसकी मुराद पूरी हुई।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़ज़ीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(i) **(ख)** टाइम-टेबिल तो सब बना लेते हैं लेकिन उसके अनुरूप दिनचर्या निर्वाह सबके बस का नहीं।
व्याख्या:
टाइम-टेबिल तो सब बना लेते हैं लेकिन उसके अनुरूप दिनचर्या निर्वाह सबके बस का नहीं।

(ii) **(घ)** कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) **(घ)** टाइम-टेबिल-पुस्तकों से मुँह मोड़ लेता।
व्याख्या:
टाइम-टेबिल-पुस्तकों से मुँह मोड़ लेता।

(iv) **(ख)** बड़े भाई की डाँट-डपट के कारण
व्याख्या:
बड़े भाई की डाँट-डपट के कारण

(v) **(ग)** 1 - (II), 2 - (III), 3 - (I)
व्याख्या:
1 - (II), 2 - (III), 3 - (I)

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
   (i) अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिन मनाने का आह्वान किया गया था। अगले वर्ष यानी 26 जनवरी 1931 को यादगार बनाने के लिए तथा लोगों में प्रेरणा निर्माण करने के लिए कलकत्ता में मोनुमेंट के नीचे सभा आयोजित की जा रही थी। इस सभा के द्वारा भारत को अंग्रेज़ों की दासता से पूर्ण रूप से मुक्त कराने के लिए शहरवासियों में जागृति निर्माण की जा सकती थी।
   (ii) महात्मा गांधी ने शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से की है क्योंकि शुद्ध आदर्श में कभी कोई खोट नहीं होता। वह खरे सोने के समान होता है। व्यावहारिकता ताँबे के समान होती है। उसे आभूषण बनाने के लिए सोने में मिलाया जाता है। इसी प्रकार आदर्श को व्यावहारिक बनाने के लिए समझौते करने पड़ते हैं। आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर न लाकर व्यावहारिकता को आदर्श के स्तर तक ऊपर उठाते थे।
   (iii) सआदत अली जैसे लोग हमेशा देश का अहित हीं करते हैं | ' कारतूस ' एकांकी के आधार पर उदाहरण निम्नलिखित है:
      i. सआदत अली कर्नल का खास दोस्त और एक अय्याश आदमी था। वो अपने अय्याशीयों के लिए कुछ भी कर सकता था ।
      ii. उसने ये जानते हुए भी कि अंग्रेज देश के खिलाफ षड्यन्त्र कर रहे हैं | उसने अपनी जायदाद का आधा भाग और दस लाख रुपये अंग्रेजों को दे दिए |
   (iv) 'तीसरी कसम' फ़िल्म में दुख के भाव को सहज स्थिति में प्रकट किया गया है। इस फ़िल्म में दुखों को जीवन के सापेक्ष रूप में प्रस्तुत किया है। दुख के वीभत्स रूप से यह सर्वथा भिन्न है क्योंकि यहाँ दुखों से घबराकर लोग पीठ नहीं दिखाते। दुखों से हमें घबराना नहीं चाहिए। दुखों का साहसपूर्वक सामना करना चाहिए। दुख के इस रूप को देखकर मनुष्य 'व्यथा' व 'करुणा' को सकारात्मक ढंग से स्वीकार करता है। वह दुखों से परास्त नहीं होता, निराश नहीं होता। इस फ़िल्म में दुख की सहज स्थिति लोगों को आशावादी बनाती है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(क)** मृत्यु तो अवश्यंभावी है
व्याख्या:
मृत्यु तो अवश्यंभावी है

(ii) **(ख)** महान उद्देश्य के लिए मरने वाले की मृत्यु
व्याख्या:
महान उद्देश्य के लिए मरने वाले की मृत्यु

(iii) **(ख)** जिस मृत्यु को याद न किया जाए
व्याख्या:
जिस मृत्यु को याद न किया जाए

(iv) **(क)** अपने लिए जीना-खाना
व्याख्या:
अपने लिए जीना-खाना

(v) **(क)** I, III
व्याख्या:
I, III

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीरा अपने आराध्य कृष्ण से यह विनती करती हैं कि वे लोगों के साथ-साथ उनकी भी पीड़ा को हरें। उन्हें उनके कर्तव्य का स्मरण करवाने के लिए, वे द्रौपदी, प्रह्लाद और गजराज के उदाहरण देती हैं और अपने आराध्य की क्षमताओं का गुणगान करती हैं।

(ii) कविता के अनुसार सहस्र दृग-सुमन से तात्पर्य है हज़ारों पुष्प जो कि आँखों के समान प्रतीत होते हैं। कवि ने इसका प्रयोग पर्वत पर खिले हजारों पुष्पों के लिए किया है जो पर्वत के आँखों के समान हैं और जिनका प्रयोग पर्वत नीचे जल में अपना विशाल आकार देखने के लिए कर रहे हैं।

(iii)'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' कहकर कवि अन्य सैनिकों को बलिदान देने के लिए प्रेरित करना चाहता है। उसका मानना है कि यदि देश रक्षा के कार्यों को अधूरा छोड़ दिया जाएगा, तो शहीदों का बलिदान व्यर्थ हो जायेगा। अतः शहीदों के बाद अन्य सैनिकों को भी बहादुरी से शत्रुओं के साथ तब तक लड़ना होगा, जब तक देश पूरी तरह सुरक्षित न हो जाए। जीत का उत्सव हम तभी मना सकेंगे, जब बलिदान का यह सिलसिला थम जायेगा।

(iv)आत्मत्राण कविता में कवि सहायक के न मिलने पर किसी पर निर्भर न रहने की बात इसलिए कहता है कि यदि ऐसी परिस्थिति आ जाए कि कोई सहायता करने वाला न हो तो ऐसी विषम परिस्थिति में उसका आत्मबल, हिम्मत, साहस और बल-पौरुष बना रहे। साथ ही ईश्वर पर उसका विश्वास डिगे नहीं। कवि ईश्वर से साहस माँग रहा है ताकि वह दुःखों का सामना कर सके।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका को ठाकुरबारी ले जाकर महंत ने जायदाद के लालच में उनकी बहुत आवभगत की। वे उन्हें ठाकुरबारी ले आए और उन्हें तरह-तरह से बहला-फुसलाकर जायदाद को ठाकुर जी के नाम करने के लिए समझाने लगे। वे किसी भी तरह से उनकी जायदाद को अपने नाम लिखवाना चाहते थे, परन्तु हरिहर काका ने ऐसा करने से साफ़ इंकार कर दिया तो उन्हें अपने पुजारियों से पिटवाया और कोरे कागज़ पर उनके अंगूठे के निशान ले लिए। उन्होंने हरिहर काका को जान से मरवाने का भी प्रयास किया।

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ में विद्यार्थियों को अनुशासित रखने के लिए कठोर दंड जैसे मार-पीट जैसी युक्तियाँ अपनाई गई हैं पर वर्तमान समय में इस प्रकार की युक्तियों को निंदनीय माना गया है। इस प्रकार की युक्तियों के कारण विद्यार्थी विद्यालय में आने से डरते हैं। वर्तमान में शिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाता है कि वे विद्यार्थियों की भावनाओं को समझे और उन्हें प्यार से उनकी गलतियों का एहसास करवाएँ न कि उन्हें मारे-पीटे। जब वे बच्चों के साथ प्यार और ममता का व्यवहार रखेंगे तो विद्यार्थी भी अपनी समस्याओं को उनके साथ साझा करेंगे और ख़ुशी-ख़ुशी विद्यालय आएँगे। अतः विद्यार्थियों को अनुशासित करने के लिए वर्तमान समय की मनोवैज्ञानिक विधि सर्वाधिक उपयुक्त है।

(iii)'टोपी शुक्ला' कहानी के माध्यम से कहानीकार ने हमें यह संदेश दिया है और प्रेरणा भी दी है कि हमें यह समझना चाहिए कि सभी मनुष्य एक समान हैं। वे पहले इंसान हैं और बाद में हिंदू-मुसलमान। हमें टोपी शुक्ला कहानी के अनुसार सांप्रदायिक भेदभावों को आड़े नहीं आने देना चाहिए। सांप्रदायिक एकता और सद्भावना बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। यह सद्भावना ही तनाव, झगड़ों को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द की स्थापना कर सकती है।

भारत जैसे विभिन्न धर्मावलंबियों वाले राष्ट्र में इसके अनेक लाभ हैं। इससे सांप्रदायिक विवाद समाप्त होंगे, सहिष्णुता का माहौल बनेगा जो संगठित व शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में सहायक होगा और विकास के पथ में अग्रसर हो सकेगा।

इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की मित्रता में जाति व धर्म का कोई बंधन नहीं था। इस प्रकार की मित्रता सामाजिक सौहार्द बढ़ाने में सहायक होती है।

ऐसी मित्रता में कोई भेदभाव भी नहीं होता, न पारिवारिक स्तर पर और न ही सामाजिक स्तर पर। इससे दो अलग-अलग भाषाओं व संस्कृतियों को जोड़ने में सहायता मिलती है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) हमारे आसपास की सड़कें कचरे से अटी पड़ी हैं। हर कोई बेख़ौफ होकर कचरा फेंक रहा है, जिससे हमारे शहरों की सुंदरता और स्वच्छता दोनों प्रभावित हो रही हैं। यह समस्या केवल सरकार या नगर निगम की नहीं है, बल्कि हम सभी की है। हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत है। कचरे को कूड़ेदान में डालना हमारी जिम्मेदारी है।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। हमें लोगों को समझाना होगा कि कचरा फेंकना कितना गलत है और इससे हमारे पर्यावरण को कितना नुकसान होता है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में स्वच्छता अभियान चलाकर हम इस समस्या का समाधान ढूँढ़ सकते हैं। आइए हम सभी मिलकर अपने शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लें।

(ii) किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन होती है, पर जब यह एक सीमा से अधिक हो जाती है तब यह समस्या का रूप ले लेती है। जनसंख्या वृद्धि एक ओर स्वयं समस्या है तो दूसरी ओर यह अनेक समस्याओं की जननी भी है। यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर बुरा असर डालती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ देश के विकास की स्थिति &ढाक के तीन पात वाली बनकर रह जाती है। प्रकृति ने लोगों के लिए भूमि, वन आदि जो संसाधन प्रदान किए है, जनाधिक्य के कारण वे कम पड़ने लगते है तब मनुष्य प्राकृतिक असंतुलन का खतरा पैदा होता है जिससे नाना प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती है। भारत को बढ़ती आबादी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया की करीब 17% आबादी भारत में रहती है जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है। जनसंख्या वृद्धि के लिए हम भारतीय की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। यहाँ की पुरूष प्रधान सोच के कारण घर में पुत्र जन्म आवश्यक माना जाता है। भले ही एक पुत्र की चाहत में छह, सात लडकियाँ क्यों न पैदा हो जाएँ पर पुत्र के बिना न तो लोग अपना जन्म सार्थक मानते हैं और न ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती दिखती है। इसके अलावा अशिक्षा, गरीबी और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए लोगों का इसके दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। और सरकार द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का मुफ्त वितरण किया जाना चाहिए तथा जनसंख्या वृद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

(iii) **स्वदेशी अपनाओ**

स्वदेशी का अर्थ है - 'अपने देश का' अथवा 'अपने देश में निर्मित'। हमें स्वदेशी साधनों के उपयोग पर बल देना चाहिए। आज के दौर में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की ज़रूरत फिर से महसूस होने लगी है। विकसित देश उन्हीं के होते हैं, जिनमें स्वदेशी उत्पादों का उत्पादन होता है। यदि हम दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे, तो वे हमें मजबूरी में ऊँचे दाम पर चीजें बेचेंगे और हमें उन्हें खरीदने की आवश्यकता होगी।

इसलिए हमें स्वदेशी साधनों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इन साधनों के उपयोग से न केवल देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा बल्कि यह रोज़गार के अवसरों को भी बढ़ाएगा। इसलिए, हमें सभी देशवासियों को स्वदेशी सामग्री का प्रचार-प्रसार करने और स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे स्वदेशी अपनाओ आंदोलन को बढ़ावा मिलेगा और हम आत्मनिर्भर बनेंगे। स्वदेशी अपनाने से देश की तरक्की में यह महत्वपूर्ण योगदान होगा और हम गर्व से कह सकेंगे - 'हम स्वदेशी के समर्थन में हैं, हम स्वदेश का सम्मान करते हैं।'

13. प्रसेवा में,
प्रबन्धक
पंजाब नेशनल बैंक
विकासपुरी (नई दिल्ली)
विषय-चैक बुक खो जाने के संबंध में
महोदय,

निवेदन है कि प्रार्थी आपकी शाखा का नियमित उपभोक्ता है और मेरी बचत खाता संख्या 6918 आपकी शाखा में ही हैं। जिसमें (लगभग 55,000/-रु.) जमा हैं। मैंने कुछ दिन पहले आपके बैंक से एक चेकबुक 20 चेकों की ली थी, जिसमें से अभी तक केवल 2 चेक ही निर्गत हुए हैं। अभी 18 चेक उसमें मौजूद हैं। कल शाम को मेरा बैग विकासपुरी से कैलाशपुरी आते समय गाड़ी से कहीं गिर गया है जिसमें कुछ कागजातों के साथ चेकबुक भी थी, काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिली। अतः आपसे निवेदन है कि आप उस चेकबुक के किसी भी चेक का भुगतान मेरे खाते से रोकने का कष्ट करें अन्यथा मैं भरी संकट में पड़ जाऊँगा | इस पत्र के साथ अन्य आवश्यक कागज जैसे पासबुक,आधारकार्ड आदि संग्लग्न हैं। यद्यपि इस विषय में मैंने अपने क्षेत्रीय थाने में भी सूचना दर्ज करा दी है।

अत: सूचनार्थ एवं निवेदन हेतु पत्र आपकी शाखा में प्रस्तुत है।
आशा है आप भुगतान नहीं करेंगे।
भवदीय
गोविन्द सिंह पंचायत अधिकारी
विकासपुरी नई दिल्ली
दिनांक 17 जनवरी, 2019

अथवा

मकान नं.- p-276
गोविन्द मोहल्ला
गिरीश नगर
दिनांक- 21-08-2020

`वा में
मुख्य चिकित्सा अधिकारी जी
हरि अस्पताल
अ.ब.स. नगर
विषय- कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा हेतु पत्र
महोदय,
मैं अ.ब.स.नगर का निवासी हूँ। विगत कुछ दिनों से मेरा एक प्रियजन आपके अस्पताल में ज्वर रोग से ग्रसित होकर भर्ती था। दवा के प्रभाव और ईश्वर की अनुकंपा से वह आज ही आपके अस्पताल से मुक्त होकर घर पहुँचा है। उससे बात करने पर पता चला कि आपके अस्पताल में चिकित्सा उपचार और संबंधित सुविधाएं बहुत ही उत्तम दर्जे की है। उसने बताया कि आपके अस्पताल के कर्मचारियों ने उसके साथ अत्यंत आत्मीय व्यवहार किया था। उनके आत्मीय और स्नेहपूर्ण व्यवहार के कारण ही वह जल्दी स्वस्थ हो सका है।
महाशय, हम सभी आपके अस्पताल कर्मचारियों को उनके व्यवहार के कारण हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं तथा उनके सुनहरे भविष्य की कामना करते हैं। विश्वास है, भविष्य में भी उन सबका व्यवहार ऐसा ही रहेगा।
इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।
सधन्यवाद
आपका विश्वासी
गौतम सिंघानिया

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
फरीदाबाद में नर्सिंग होम/क्लीनिक
की नीलामी की घोषणा करता है
स्थल का विवरण
नर्सिंग होम अस्थायी क्षेत्र 1000 वर्ग गज
सेक्टर - 5

नियम एवं शर्तें: (नर्सिंग होम/क्लीनिक)
यह स्थल पूर्ण स्वामित्व पर आधारित है। आवंटी को कब्जे की पेशकश के 2 वर्षों के भीतर नर्सिंग होम\क्लीनिक का निर्माण कार्य संपन्न करना होगा। बोली राशि का 10% अंश बोली छूटते ही नगद या संपदा अधिकारी, जी.एस.हुड्डा, फरीदाबाद के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करवाना होगा तथा अभीष्ट बोलीदाता को नीलामी में भाग लेने से पूर्व 200000/- रुपये धरोहर राशि के रूप में जमा करवानी होगी। यह राशि नीलामी के पश्चात् लौटा दी जाएगी। नीलामी की पूर्ण राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर जमा करवानी आवश्यक होगी।

नीलामी की तिथि . . . . को पूर्वाह्न .00 बजे
स्थान: योजना आयोग परिसर
सेक्टर-12, फरीदाबाद

ह० .... संपदा अधिकारी, जी.एस. हुड्डा, फरीदाबाद	ह०........................ प्रशासक, हुड्डा, फरीदाबाद

14.

अथवा

बसंत पब्लिक स्कूल, दिल्ली
सूचना
दिनांक: 20 अगस्त, 20
चित्रकला का आयोजन
विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 25 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे से हमारे विद्यालय के खेल मैदान में चित्रकला का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह है कि वह इस समारोह में अवश्य उपस्थित हो। जिससे यह प्रतियोगिता सफल हो सके।
आज्ञा से
गिरीश सिंह राठौर
विद्यालय सचिव

"चमचमाते नगीनों से चमकते
सोने व डायमण्ड ज्वैलरी से दमकते
हर रेंज़ में कराते हैं उपलब्ध
द वेडिंग ज्वैलरी कलेक्शन।"

"""'चंचल ज्वैलर्स"""'

हमारे यहाँ बहुत ही कम कीमत में गहने तैयार किये जाते हैं |

15. **शाखाएँ:** दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद

अथवा

सावधान ! सावधान ! सावधान ! सावधान !

पंजाब नेशनल बैंक, गोविन्दम् नगर

ए.टी.एम. केंद्रों पर जाने से पहले निम्नलिखित सावधानी बरतें

अपना पिन कोड किसी को न बताएँ

किसी अनजान व्यक्ति की कभी सहायता न लें

अपना कार्ड किसी को न दें

जाँच लें कि ए.टी.एम. केंद्र में कोई विद्युत यंत्र तो नहीं लगा है

जाँच लें कि कोई आपकी निगरानी तो नहीं कर रहा है

लेन-देन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद कैंसिल बटन को दबाना न भूलें

सावधान रहें, सुरक्षित रहें

सावधानी में ही सुरक्षा है

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा जनहित में जारी!

सावधान ! सावधान ! सावधान !

किसी विशेष परिस्थिति या संदेह होने पर निम्न मो. नं. पर संपर्क करें-98855२XXX

16. From: pawan@mycbseguide.com

To: 1912@pspcl.in

CC ...

BCC ...

विषय - बिजली का बिल ठीक करवाने हेतु

महोदय,

मेरे घर की जनवरी - फरवरी 2022 तक की बिजली की मीटर रीडिंग 8819 दिखाई गई है, जबकि आज के दिन तक हमारा मीटर 7999 तक ही पहुँचा है। अतः इसका तो यही अर्थ है कि बिजली की रीडिंग लेने के संबंध में लापरवाही हुई है और बिना मीटर देखे ही किसी कर्मचारी ने अपने तरीके से विद्युत बिल संबंधी प्रपत्र तैयार कर दिया।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही की जाए तथा मेरा बिल जल्द-से-जल्द ठीक करके सही बिल भेजा जाए, ताकि मैं उसे समय से जमा करवा सकूँ।

पवन

अथवा

एक छोटे गांव में राम और श्याम, दो मित्र, रहते थे। वे अनेक विषयों पर वार्ता करते थे, परंतु कभी-कभी उनकी बातें विरोधाभास में परिणत हो जाती थीं। एक दिन, एक विषय पर उनकी बहस बढ़ गई - क्या संगति लोगों के विचारों का प्रभाव डालती है या नहीं।

राम ने कहा, "संगति हमें बदलती दृष्टिकोण देती है और नई दिशा में ले जाती है।"

श्याम ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, "हाँ, लेकिन इसका फल होता है कि बार-बार विभिन्नता और समृद्धि समझने की क्षमता विकसित होती है। विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है और सही निर्णय लेने में मदद करता है।"

दोनों मित्र ने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हुए देखा कि संगति से विभिन्न दृष्टिकोणों का संयोजन हमें सबके लिए बेहतर विकल्पों की दिशा में अग्रसर कर सकता है।